पाठ्यक्रम

1. ड्राइंग एवं सर्वेइंग से परिचय

- मानचित्रों का महत्त्व
- ड्रॉइंग के प्रकार
- ड्रॉइंग के स्केल
- सर्वे के प्रकार
- लेवलिंग

2. निर्माण कार्य

- फाउंडेशन की आवश्यकता
- साइट निरीक्षण एवं निशानदेही
- खुदाई-भराई के कार्य
- लूज टिम्बरिंग तथा क्लोज़ टिम्बरिंग
- दीमक एवं सीलन से बचाव के उपचार
- सुरक्षा के उपाय
- बिल्डिंग मैटीरियल से परिचय

3. चिनाई के कार्य

- ईंट की चिनाई
- मोर्टर बनाने की विधि
- विभिन्न प्रकार के बॉन्ड
- विभिन्न प्रकार के आर्च
- प्लिन्थ बीम

4. कंक्रीटिंग

- कंक्रीट तैयार करना
- कंस्ट्रक्शन जॉइन्ट
- क्योरिंग
- एक्सपेन्शन जॉइन्ट्स
- रीइन्फोर्स्ड सीमेन्ट कंक्रीट
- शटरिंग

5. छतों के कार्य

- छतों के प्रकार
- छतों से पानी की निकासी

6. फिनिशिंग तथा पॉलिशिंग

- सीमेन्ट प्लास्टर
- ड्राई डिस्टेम्पर
- पेंट में प्रयोग की जाने वाली वस्तुएँ
- पेंट का नाप
- लकड़ी पर पेन्टिंग तथा पॉलिस
- लोहे पर पेंटिंग

7. फ़र्श डालना

- फ़र्शों के प्रकार
- तराई, घिसाई एवं पॉलिश
- टाइल्स का कार्य
- कोटा स्टोन के फ़र्श

8. लकड़ी व लोहे के कार्य

- दरवाज़ों/खिड़कियों के शटर्स
- चौखट में जोड़
- दरवाज़ों/खिड़कियों की फ़िटिंग्स
- शीशे का कार्य
- लोहे का कार्य

9. नालियों तथा सीवर का निर्माण

- नालियों के प्रकार
- नालियों को बनाने की विधि
- पाइप की बनावट
- मैन होल्स एवं सैनिटरी इस्टालेशन

10. सड़क का कार्य

- सड़कों का फार्मेशन लेवल
- सड़कों के मुख्य अंश
- सब ग्रेड एवं कम्पैक्शन
- सड़क के प्रकार
- सीमेंट कंक्रीट की सड़क का निर्माण